पाठ 3. संगति का फल

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में भावनाओं पर नियंत्रण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे उत्तेजित व उद्वेलित करने वाले कारकों से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता बढ़ा सकें। अच्छी संगति का फल हमेशा अच्छा होता है, जबकि बुरी संगति का फल बुरा होता है, यही इस पाठ में दर्शाया गया है। सीधी चींटियाँ काटने वाली चींटियों के कारण ही मौत के मुँह में चली गईं। इस प्रकार, बुरी संगति वाले इनसान भी मुसीबत में पड़ जाते हैं।

पाठ का सार

शीलभद्र का मेलजोल आश्रम के बाहर के कुछ लड़कों से हो जाता है जिससे वह उद्दंड और शरारती हो जाता है। आश्रमवासी उसे समझाने का प्रयास करते हैं लेकिन वह सुधरने का नाम नहीं लेता है।

एक दिन समुद्र में डूबते जहाज़ को दिखाते हुए ऋषि बताना चाहते हैं कि उस जहाज़ पर पापियों के साथ रहने के कारण पुण्यात्मा को भी मौत का शिकार होना पड़ा है। इसके बाद शीलभद्र एक शंख उठा लेता है जिसके अंदर चींटियाँ भरी थीं। उन चींटियों के काट खाने के कारण शीलभद्र शंख को समुद्र के पानी में फेंक देता है। ऋषि महाराज तब शीलभद्र को बताते हैं कि जो चींटियाँ सीधी-साधी थीं उन्हें भी उद्दंड चींटियों के कारण मरना पड़ा है। शीलभद्र ऋषि महाराज का इशारा समझ लेता है और ऋषि महाराज से क्षमा माँगने लगता है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कहानी का सार बताएँ। बच्चों को प्राचीन काल की गुरुकुल व्यवस्था के बारे में बताएँ। अच्छे लोगों की संगति का असर किस प्रकार पड़ सकता है यह उदाहरण देकर समझाएँ। कहानी से मिलने वाली शिक्षा के बारे में बच्चों से ही पूछें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 65** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - संयुक्त अक्षरों से संबंधित अभ्यास कराते समय **र** के संयोग से बने संयुक्त अक्षरों पर विशेष रूप से चर्चा करें।
  - विलोम शब्द की परिभाषा उदाहरण सहित दें। कुछ विलोम शब्दों का निर्माण शब्द के पहले **अ** जोड़कर भी होता है, यह समझाएँ।
  - बच्चों को **ता** के संयोग से बने शब्दों के बारे में बताएँ कि ये शब्द भाववाचक संज्ञाएँ होती हैं।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - इन क्रियाकलापों का उद्देश्य बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास करना है। इन क्रियाकलापों में इस बात पर ध्यान अवश्य दें।